कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि [एम. ए. (हिन्दी)]

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।*

1. दलित चेतना से क्या अभिप्राय है ? इसकी प्रेरणा के स्रोत क्या हैं ? सविस्तार उल्लेख कीजिए। 10

2. दलित चिंतन के वैचारिक और दार्शनिक स्वरूप का विश्लेषण कीजिए। 10

3. 'सत्य शोधक समाज' के गठन की पृष्ठभूमि बताते हुए उसके सिद्धांतों का मूल्यांकन कीजिए। 10

4. भारतीय जाति व्यवस्था क स्वरूप को स्पष्ट करते हुए डॉ. अम्बेडकर के विचारों का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. दलित विमर्श की वैचारिकी और प्रेमचंद की दलित चेतना के अन्त:सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए। 10

6. नागार्जुन की दलित प्रतिबद्धता पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 10

7. दक्षिण भारत में श्री नारायण गुरु के चिंतन से निर्मित हुई स्त्री मुक्ति की चेतना को स्पष्ट कीजिए। 10

8. अछूतानंद के सामाजिक सुधार आन्दोलन पर प्रकाश डालिए। 10

9. संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर समाजवादी जनतंत्र के पक्ष में क्यों खड़े थे ? सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) 'अछूत की शिकायत' कविता का मूल्यांकन

(ख) निराला के दलित पात्र

(ग) ज्योतिबा फुले के नारी उत्थान संबंधी विचार

(घ) दलित आत्मकथाओं का महत्व